Semester -1 MJC 2025-2027

Expression of Emotions - संवेगों की अभिव्यक्ति

वह एक मानसिक क्रिया है। जिसमें अनुभूति और उत्तेजनात्मक तत्परता होती है। वह व्यक्ति की आन्तरिक संरचना से निर्देशित अनुभव और क्रिया है। वह आती है और चली जाती है तथा कुछ समय के लिए व्यक्ति को विक्षुब्ध कर जाती है। स्थायी (Permanent) तथा भाव (Emotion) है कि वह मानसिक संरचना है। जो व्यक्ति रहने के अवसर न होने पर की संरचना स्नायु-विन्यासों की व्यवस्था में तथा स्थायी और [illegible] संरचना से निकालित अनुभवों और क्रियाओं में अन्तर है। संवेग अनुभव का एक प्रकार करने की एक प्रणाली और क्रिया की एक विधि है। स्थायीभाव संरचना की एक तत्त्व, स्नायु विन्यासों की एक संगठित व्यवस्था है जो कि कार्य करने के बाद में [illegible] शान्त दशा में रहती है। व्यक्ति की ओर इसके जिस प्रकार से संवेग होंगे उसी प्रकार का स्थायी भाव बन जायेगा। मानव में नैसर्गिक रूप में संवेग होते हैं। यह सरल संवेग कहलाते हैं, जैसे- भय, आकर्षण, क्रोध, शोक आदि। इसके अतिरिक्त कुछ संवेग स्वयं विकसित होते हैं जैसे- ईर्ष्या, प्रेम, घृणा इत्यादि जैसे-जैसे व्यक्ति का सामाजिक परिस्थितियों में विकास होता है।

ये संवेग विभिन्न वस्तुओं की ओर प्रेरित होते हैं। वह किसी से डरता है। किसी से उसे मिलकर हर्ष होता है। व्यक्ति से जो अनेक संवेग मिलकर एक स्थायी स्नायु-विन्यास का रूप धारण कर लेते हैं। उस वस्तु का व्यक्ति की ओर उन संवेगों के अनुरूप एक स्थायी भाव बन जाता है।

संवेगात्मक हमारे सरल, जटिल दोनों प्रकार की हो सकती है। सरल संवेगावस्था में एक ही संवेग होता है। तथा जटिल संवेगावस्था में एक से अधिक संवेग उपस्थित होते हैं। दया में वात्सल्य और सहानुभूति मिली होती है तथा घृणा में क्रोध और अरुचि के साथ-साथ भय भी होता है। एक बालक में दुःख का संवेग घर में किसी कारण के आने पर उत्पन्न होता है। इसी प्रकार सहानुभूति और सहानुभूति सामाजिक परिस्थिति में विकसित होते हैं।

(I) सरल संवेग - (Simple Emotions) -

(A) भय - (Fear) भय उस परिस्थिति, वस्तु, पशु से उत्पन्न होता है। भूतकाल में कुछ हानि पहुँचाई हो या किसी खतरनाक परिस्थिति से उत्पन्न होता है। भय को उत्पन्न करने वाली परिस्थिति में भयानक दृश्य, शोर की आवाज, प्राकृतिक विपदाएं, खूँखार पशु आदि असंख्य परिस्थिति आती है।

(B) क्रोध (Anger) सामान्यतः क्रोध जीवन के किसी कार्य में बाधा आने पर या विफल होने पर उत्पन्न होता है।

(C) आश्चर्य - (Wonder) जिस स्थिति की आपने कल्पना भी न की हो या कोई घटना ऐसी घटित हो जाए जिसकी आपको अपेक्षा ही न हो ऐसा होने पर मनुष्य को आश्चर्य होता है।

(D) शोक (Grief) - वस्तु खोने से शोक का संवेग उत्पन्न होता है। कोई कार्य एक नुकसान हो जाने से व्यक्ति को शोक होता है।

(E) हर्ष - (Joy) कोई इच्छा पूर्ण होने पर उत्पन्न होता है।

(II) जटिल संवेग - (Complex Emotion)

(A) घृणा (Hate) घृणा भी एक प्रकार की संवेगावस्था है।

Teacher's Signature [signature] 13/10/2025